Total Pages : 2 **Roll No. ----------**

MAJY-504

ग्रहण, वेध–यन्त्र तथा गोल परिचय–01

एम0ए0 ज्योतिष (MAJY-20)

प्रथम सेमेस्टर जून 2022

समयः 2 घण्टा **पूर्णांकः 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [2 x 20 = 40]

प्र0–1 ग्रहण किसे कहते हैं? उसकी अवस्था एवं स्वरूप का वर्णन कीजिए।

प्र0–2 चन्द्रग्रहण का सैद्धान्तिक विवेचन कीजिए।

प्र0–3 भूभा का परिचय दीजिए।

P.T.O.

प्र0–4 लम्बन एवं नति का प्रयोजन लिखिए।

प्र0–5 ग्रहोदयास्त से आप क्या समझते हैं।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। $[4 \times 10 = 40]$

प्र0–1 ग्रहण के प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

प्र0–2 बलन क्या है? सैद्धान्तिक रीति से स्पष्ट कीजिए।

प्र0–3 शर किसे कहते हैं? गणित ज्योतिष में इसकी क्या उपयोगिता है?

प्र0–4 चन्द्रश्रृंगोन्नति का वर्णन कीजिए।

प्र0–5 दृक्कर्म का परिचय दीजिए।

प्र0–6 पात से आप क्या समझते हैं?

प्र0–7 स्वकल्पित स्पष्ट शर का साधन कीजिए।

प्र0–8 ग्रहयुति पर टिप्पणी लिखिए।

———————————